

इस डिजाइन में प्रयोगकर्ता कम-से-कम दो स्वतंत्र चरों का अध्ययन करते हैं। इस प्रकार के डिजाइन में प्रत्येक ऐसे स्वतंत्र चर के कम-से-कम दो-दो स्तर होते हैं। इस प्रकार सांख्यिक कारक गुण डिजाइन का आकार 2×2 का होता है। स्पष्टता के लिए नीचे इस डिजाइन का तबुल प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें दो स्वतंत्र चर A और B हैं। A स्वतंत्र चर का तीन स्तर A_1, A_2, A_3 हैं तथा B चर का दो स्तर B_1 और B_2 हैं।

स्वतंत्र चर (N/A)

प्रयोग	$A_1 B_1$	$A_2 B_1$	$A_3 B_1$
	$A_1 B_2$	$A_2 B_2$	$A_3 B_2$

इस डिजाइन का आकार 3×2 का है। इसमें दो प्रयोगात्मक अवस्थाओं में शोधार्थी प्रयोग करते हैं। साथ-ही-साथ प्रत्येक प्रयोगात्मक अवस्था में एक-एक समूह कार्यरत रहता है।

(3) शीलोमोन-चा (समूह डिजाइन (Solomon four-group design)) :-

शीलोमोन-चा समूह डिजाइन वस्तुतः 2×2 का एक गुणित डिजाइन का ही एक विशेष प्रकार है। इस डिजाइन का प्रतिपादन शीलोमोन (Solomon, 1949) द्वारा किया गया है। इस डिजाइन का संकेत रूप में निम्नानुप्रदर्शित किया जाता है -

- $R_0 \times C_2$
- $R_1 \times C_4$
- $R \times C_5$
- $R \times C_6$

इस संकेत रूप से स्पष्ट होता

है कि इसमें चार समूह हैं। समूह
 राष्ट्रों का चयन या इच्छुक रूप से
 किया जाता है और उन्हें चार प्रयोगात्मक
 समूहों में या इच्छुक रूप से आवंटित
 कर दिया जाता है। इस डिजाइन में दो
 प्रयोग इस तरह से किए जाते हैं जिसमें
 विवेचन यानी X दिये जाते हैं और बीच
 ही समूह नियंत्रित समूह के रूप में कार्य
 करते हैं जिन्हें किसी प्रकार का विवेचन
 यानी X नहीं दिया जाता है। इस
 डिजाइन के में X के प्रभाव को चा
 तेंद से जाना जाता है - 0200, 0203,
 0204 और 0206। इस डिजाइन से प्राप्त
 आंकड़ों का विश्लेषण F परीक्षण (F-Test)
 द्वारा ही किया जाता है।

यह डिजाइन या इच्छुक सिर्फ पोस्ट-टेस्ट
 नियंत्रित समूह डिजाइन और प्री-टेस्ट-पोस्ट
 टेस्ट नियंत्रित समूह डिजाइन का सम्मिश्रित
 रूप है। इस डिजाइन को जानने के कारण
 प्रयोगात्मक शोधों में इसका उपयोग नहीं
 के बराबर होता है।

The End